

## THREATS खतरा

01

Fluctuation in  
water level

जल स्तर में  
उतार-चढ़ाव

02

Nest predation and  
trampling by feral  
and domestic  
animal

जंगली और पालतू  
जानवरों द्वारा घोंसलों  
का शिकार और  
कुचलजाना

03

Sand mining and  
intense fishing

प्रजनन स्थलों के पास  
रेत खनन और मछली  
पकड़ना

04

Pollution in River  
नदी में प्रदूषण

*Developed by*  
**Bird Ringing & Monitoring Centre, Bhagalpur**  
Bombay Natural History Society

*Under the project*  
"Ringing & Monitoring of Migratory birds along the  
Central Asian Flyway and Promotion of associated  
extension, education and outreach activities in the State  
of Bihar"

*Funded by*  
Department Environment, Forest & Climate Change,  
Government of Bihar

Cover photographs: Subrat Debata



**Waterbirds breeding on the sandbars  
of Vikramshila Gangetic Dolphin Sanctuary**

**विक्रमशिला गंगेय डॉलफिन अभयारण्य के रेतीले  
टिल्लो पर प्रजनन करने वाले जलपक्षी**



## Sandbar-nesting birds of river: An introduction

During summer months when water level drops down in river, many sandbars/ Islands emerge. Several waterbird species are adapted to breed on these exposed sandbars. While some species are resident and occur throughout the year in these areas, some are breeding migrants and come here only during breeding season. These birds are mostly colonial breeders and lay their eggs on bare ground with a shallow depression.

Sandbar-nesting birds show high breeding site fidelity and use the same site for generations. Therefore any kind of activity that leads to loss or degradation of these habitats directly impact their breeding success. Besides that, fluctuation in water level leading to flooding or predation of nests, intense agricultural activity leaving no space for nesting are some of the threats to these birds. Long term monitoring of breeding sites and various threats faced by these breeding birds will be helpful for developing site specific conservation and management actions.

## नदियों के रेतीले टिल्लो पर प्रजनन करने वाले पक्षी: एक परिचय

गर्मी के मौसम में जब नदियों में पानी का स्तर नीचे चला जाता है, कई रेतीले टिल्ले /द्वीप पानी के ऊपर दिखाई देते हैं। कुछ प्रजातियों के जलपक्षी इन टिल्लों को प्रजनन करने के लिए इस्तेमाल करते हैं। इन जगहों पर प्रजनन करने वाले प्रजातियों में से कुछ यहाँ सालों भर रहते हैं, कुछ लंबी दूरी के प्रवासी हैं जो प्रजनन के मौसम में ही आते हैं। ये पक्षियाँ ज्यादातर एक साथ एक जगह पर प्रजनन करते हैं और जमीन पर अपने अंडे देते हैं।

इन पक्षियों अपने प्रजनन स्थान के साथ हमेशा जुड़े हुए रहते हैं और कई पीढ़ियों तक एक ही स्थान का उपयोग करते हैं। इसलिए किसी भी प्रकार की सतिविधि जो इनके आवासों को नुकसान या सम्भावित खतरे की ओर ले जाती है, सीधे उनकी प्रजनन सफलता को प्रभावित करती है। इसके अलावा, जल स्तर में उतार-चढ़ाव के कारण बाढ़ या घोंसलों का निकास, तथा कृषि कार्य और रेत खनन की वजह से घोंसले के लिए जगह न मिलना इन पक्षियों के लिए बड़े खतरे हैं। इसलिए, इन पक्षियों के लिए संरक्षण योजना विकसित करने के लिए इनके प्रजनन स्थलों और विभिन्न सम्भावित खतरों की निगरानी की आवश्यकता है।

### Did you know this?

Indian Skimmer, one of the globally endangered species once known to breed in the Ganga River in Bihar. Currently there is no breeding report for this species anywhere in Bihar.

### क्या आप यह जानते थे?

इंडियन स्किमर, विश्व स्तर पर लुप्तप्राय प्रजातियों में से एक है जिसे कभी बिहार के गंगा नदी में प्रजनन के लिए जाना जाता था। वर्तमान में बिहार से कहीं से भी इस प्रजाति के प्रजनन की कोई सूचना नहीं है।

## River (नदी)

## Sandbar (रेतीले टिल्ले)



J F M A M J J A S O N D

Breeding period | प्रजनन के अवधि

